Regarding compensation to the families affected by wild animals attacks and need for safety measures

श्री राम शिरोमणि वर्मा (श्रावस्ती): स्पीकर सर, धन्यवाद ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती और बलरामपुर के अति महत्वपूर्ण और गंभीर विषय - क्षेत्रवासियों की जान-माल की सुरक्षा की ओर दिलाना चाहता हूं ।

महोदय, नेपाल सीमा से सटे जंगल के आसपास गांव बसे हुए हैं । इनमें विकास खंड पचपड़वा, विकास खंड गैंसडी, हरैया सतघरवा, तुलसीपुर, सिरसिया, जमुनहा, हरिहरपुर रानी जैसे तमाम ब्लॉक्स के किनारे बसे लगभग 40 गांव हैं ।

सर, हाल ही में बरहवा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है । मात्र डेढ़ साल का बच्चा था और मां की गोद से तेंदुआ उस बच्चे का उठाकर ले गया । यह बहुत ही दुखद घटना है । इसी तरह आए दिन इन गांवों में तेंदुए, बाघ, भेड़ियों और लकड़बग्घा आदि जंगली आदमखोर जानवरों द्वारा मवेशियों, छोटे बच्चों और लोगों को निशाना बना लिया जाता है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ।

(व्यवधान)

श्री राम शिरोमणि वर्मा**:** अध्यक्ष महोदय, मात्र दो सेकेंड और दे दीजिए । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप बस मांग किया कीजिए कि जंगली जानवरों की यह समस्या है और यह हमारी मांग है ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बोलिए, जल्दी अपनी मांग रखिए ।

(व्यवधान)

श्री राम शिरोमणि वर्मा**:** अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरी भारत सरकार और प्रदेश सरकार से यह मांग है कि पीड़ित परिवार को कम से कम 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए ।

धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष **:** श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी - अब आप बोलिए ।

(व्यवधान)